ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–58
दिनांकः शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.4 एवं 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 72 प्रतिशत, हवा की औसत गति 14.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.5 एवं दोपहर में 34.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 11.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(01–05 अगस्त, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 01 से 05 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले कुछ दिनों में उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर अच्छी वर्षा होने की संभावना नहीं है। हालांकि, 02–04 अगस्त के बीच कुछ स्थानों पर मेघगर्जन, वज्रपात एवं तेज हवा चलने की संभावना है। वैशाली, मधुबनी, गोपालगंज, दरभंगा, सिवान, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है। शेष स्थानों पर पूर्वानुमानित अवधि में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वर्षा के समय आसमान में मध्यम से घने बादल छाए रह सकते हैं। अन्य समय आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 31–35°C तथा न्यूनतम तापमान 25–27°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 80% तथा दोपहर के समय सापेक्षिक आर्द्रता 40–45% रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी एवं दक्षिण–पूर्वी दिशा से 10–15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- **मक्काः** 30–35 दिनों के खरीफ मक्का की फसल में निकाई–गुड़ाई करने के बाद मिट्टी चढ़ाएँ। फसल की बेहतर वृद्धि के लिए 40 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर की दर से टॉप ड्रेसिंग करें।
- **धानः** कम वर्षा की स्थिति में धान के खेतों में खरपतवार की अधिक वृद्धि होने की संभावना है। फसल की संतोषजनक वृद्धि एवं विकास के लिए समय पर खरपतवार नियंत्रण करें। एक हेक्टेयर क्षेत्र में 500–600 लीटर पानी में ब्यूटाक्लोर 3.0 लीटर अथवा प्रीटिलाक्लोर 1.5 लीटर अथवा पेंडीमेथालिन 3.0 लीटर मिलाकर समान रूप से छिड़काव करें।
- **परवलः** वर्तमान समय परवल की बुआई के लिए उपयुक्त है। उत्तर बिहार के लिए *राजेन्द्र परवल–1*, *राजेन्द्र परवल–2*, *राजेन्द्र परवल–3*, *स्वर्ण रेखा*, *स्वर्ण अलौकिक* एवं *स्वर्ण सुरुचि* किस्मों की अनुशंसा की जाती है। पौधों की रोपाई 150×100 सेमी की दूरी पर करें। खेत की तैयारी के समय 20–25 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद मिलाएँ तथा 60 किग्रा नाइट्रोजन, 50 किग्रा फॉस्फोरस एवं 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- **मिर्चः** मिर्च की नर्सरी की बुआई ऊँची क्यारियों पर करें। उत्तर बिहार के लिए ओपन–पॉलिनेटेड किस्मों में *अर्का लोहित*, *शिमला मिर्च*, *पूसा ज्वाला*, *पूसा सदाबहार*, *काशी अनमोल*, *काशी गौरव*, *पंत सी–1* एवं *पंजाब लाल* तथा संकर किस्मों में *अर्का श्वेता*, *कोंकण कीर्ति*, *अर्का मेघना*, *अर्का हरिता*, *काशी सुर्ख*, *काशी अगेती* एवं *काशी तेज* उपयुक्त हैं। एक हेक्टेयर के लिए 800–1000 ग्राम (ओपन–पॉलिनेटेड) अथवा 250–300 ग्राम (संकर) बीज का प्रयोग करें। बुआई से पूर्व बीजों का थायरम 75% डस्ट से उपचार करें। पौध रोपण 60–75×45–50 सेमी की दूरी पर करें तथा खेत में 25–30 टन सड़ी गोबर की खाद, 100–120 किग्रा नाइट्रोजन, 40–50 किग्रा फॉस्फोरस एवं 40–50 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- **फूलगोभीः** मध्यकालीन किस्में जैसे पूसा *हिम ज्योति*, *डी–96* एवं *पंत शुभ्रा* की बुआई के लिए चयन कर सकते हैं। बीज की मात्रा 350–400 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। खेत की तैयारी के समय 20–25 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद मिलाएँ। साथ ही 120 किग्रा नाइट्रोजन, 60–80 किग्रा फॉस्फोरस, 40–60 किग्रा पोटाश, 10–15 किग्रा बोरेक्स तथा 1–2 किग्रा अमोनियम मोलिब्डेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.5 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य है	आज का न्यूनतम तापमानः 24.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी